पिछले तीन वर्षों के दौरान बेचे गए स्क्रैप टायरों का विवरण ।

वर्ष	टायरों की संख्या (900×20)
1983–84	44143
1984–85	14997
1985–86	33758

वर्ष 1984-85 के दौरान 1.5 लाख रु. मूल्य की 727 ट्यूबों की चोरी हुई ।

वर्ष 1985-86 के दौरान 49651.59 रु. मूल्य के 16 टायरों की कमी का पता लगाया गया ।

(ख) और (ग) निगम नए टायर और ट्यूब टायर सीधे कम्पनियों से ही खरीद रहा है और रिट्रीड (सोल चढ़े हुए) टायरों को खरीदने की संभावनाएं पूर्णतः समाप्त कर दी गयी है ।

दिल्ली परिवहन निगम द्वारा खरीदे गये चेसिस और उपस्कर

137. **श्री हुक्मदेव नारायण यादव** : क्या **परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान दिल्ली परिवहन निगम द्वारा कितने मूल्य के नये पुर्जे, उपस्कर और चेसिस खरीदे गए तथा पुराने सामान को बेच कर कितनी धनराशि वसूल की गई; और

(ख) सामान में हेरा-फेरी करने, चोरी करने और भ्रष्टाचार करने पर विभिन्न श्रेणी के कितने-कितने व्यक्तियों को पकड़ा गया और उनके विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई ?

जल-भूतल परिवहन विभाग में राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट) : (क) अपेक्षित सूचना निम्नलिखित है:--

शीर्ष	1983–84 (लाख रु०)	1984–85 (लाख रु०)	1985–86 (लाख रु० अनन्तिम)
1. स्टोर्स और पुर्जे . . .	647.66	717.83	701.37
2. टायर ट्यूब और फ्लेप . . .	804.70	504.11	767.19
3. टायर रिट्रीडिंग सामग्री . . .	141.97	112.92	165.96

दिल्ली परिवहन निगम ने 1983-84 में 500, 1984-85 में 532 और 1985-86 में 202 चेसिस खरीदे । कुल खर्च क्रमशः 772.35 लाख रुपए, 869.53 लाख रुपए और 453.71 लाख रुपए था ।

पिछले तीन वर्षों में पुरानी मदों की बिक्री से प्राप्त धनराशि निम्नलिखित है :–

वर्ष	स्क्रैप सामग्री की बिक्री से वसूली गई राशि (लाख रु०)	स्क्रैप बसों की बिक्री से वसूली गई राशि (लाख रु०)	कुल (लाख रु०)
1983–84	91.81	—	91.81
1984–85	109.00	80.62	189.62
1985–86	138.04	19.42	157.46

(ख) वर्ष 1984-85 और 1985-86 में 16 टायरों और 727 ट्यूबों की चोरी के दो मामलों का पता लगाया गया । इसमें शामिल व्यक्तियों को निलंबित कर दिया गया और थाना, किंग्सवे कैंप में मामला दर्ज कराया गया ।

इसमें शामिल कर्मचारियों का ब्यौरा निम्नलिखित है :–

1. सहायक स्टोर अधिकारी	1
2. स्टोर कीपर	2
3. सहायक स्टोर कीपर	1
4. सहायक सुरक्षा निरीक्षक	2
5. सुरक्षा गार्ड	2

हावड़ा और माल्दा मंडल के लिए उपभोक्ता सलाहकार समिति

138. **डा. बापू कालदाते** : क्या **परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल के लिए उपभोक्ता सलाहकार समिति का गठन हो गया है ;

(ख) यदि हां, तो इस समिति में शामिल किये गये विधायकों और संसद सदस्यों के नाम क्या है ;

(ग) क्या माल्दा मंडल के लिए भी उपभोक्ता सलाहकार समिति का गठन हो गया है, यदि हां, तो बरियारपुर क्षेत्र से इस समिति में शामिल किये गये व्यक्तियों के नाम क्या है ; और

(घ) यदि बरियारपुर क्षेत्र से इसमें कोई प्रतिनिधि नहीं है तो इसके क्या कारण है?

परिवहन मंत्री (श्री बंसी लाल) : (क) रेलों पर कोई उपभोक्ता सलाहकार समिति नहीं है तथापि, हावड़ा मंडल की मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्श समिति का 1.3.86 से 31.12.87 तक की अवधि के लिए गठन किया गया है ।

(ख) हावड़ा मंडल की मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्श समिति में नामित किये गये विधायक है पश्चिम बंगाल से श्री बामपद मुखर्जी तथा बिहार से श्री दिलीप कुमार सिन्हा । अभी तक संसद सदस्यों को नामित नहीं किया गया है ।

(ग) और (घ) माल्दा मंडल की मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्श समिति का गठन भी 1.3.86 से 31.12.87 की अवधि के लिए कर दिया गया गया है । विशेष हितों आदि का प्रतिनिधित्व करने वाले व्यक्तियों के नामों को अभी अन्तिम रूप नहीं दिया गया है ।

बरियारपुर रेलवे अस्पताल में चिकित्सा सुविधायें

139. **डा. बापू कालदाते** : क्या **परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पूर्व रेलवे के बरियारपुर रेलवे स्टेशन के कर्मचारियों तथा आस-पास के क्षेत्रों के लिए एक चिकित्सक नियुक्त किया गया है ;